



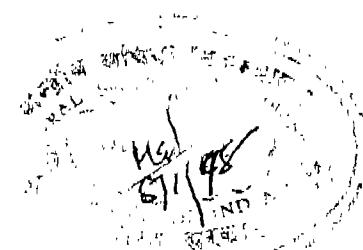
भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 619]
No. 619]

नई दिल्ली, बुहस्पतिवार, नवम्बर 6, 1997/कार्तिक 15, 1919
NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 6, 1997/KARTIKA 15, 1919

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1997

का. आ. 763 (अ).—विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा इस भात का न्याय निर्णय करने के उद्देश्य से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री लोकेश्वर प्रसाद की अध्यक्षता में “विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिकरण” का गठन करती है कि बोडो लिब्रेशन टाइगर (बी.एल.टी.) को विधि विरुद्ध संगम घोषित करने के लिए पर्याप्त कारण विद्यमान हैं अथवा नहीं।

[फा. सं.-11011/4/97-एन. ई.-IV]

अशोक कुमार, विशेष सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th November, 1997

S.O. 763(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby constitutes the “Unlawful Activities (Prevention) Tribunal” for the purpose of adjudicating whether or not there is sufficient cause for declaring the Bodo Liberation Tiger (BLT) as an Unlawful Association consisting of Justice Shri Lokeshwar Prasad, Judge of Delhi High Court.

[F. No.-11011/4/97-NE. IV]

ASHOK KUMAR, Spl. Secy.

